Baba’s Praise

10/4/2015

- अभी बच्चे समझते हैं कि बिगड़ी को बनाने वाला एक ही है। बिगड़ी को बनाने वाला, पतितों को पावन बनाने वाला तो एक ही है, सद्गति दाता, गाइड, लिबरेटर भी वह एक है।

- रावण पतित बनाते हैं, परमपिता परमात्मा आकर पावन बनाते हैं। आधा- आधा जरूर कहेंगे।

- यह नॉलेज सिवाए बाप के कोई समझा न सके। बाप एक ही बार आकर यह नॉलेज समझाते हैं।

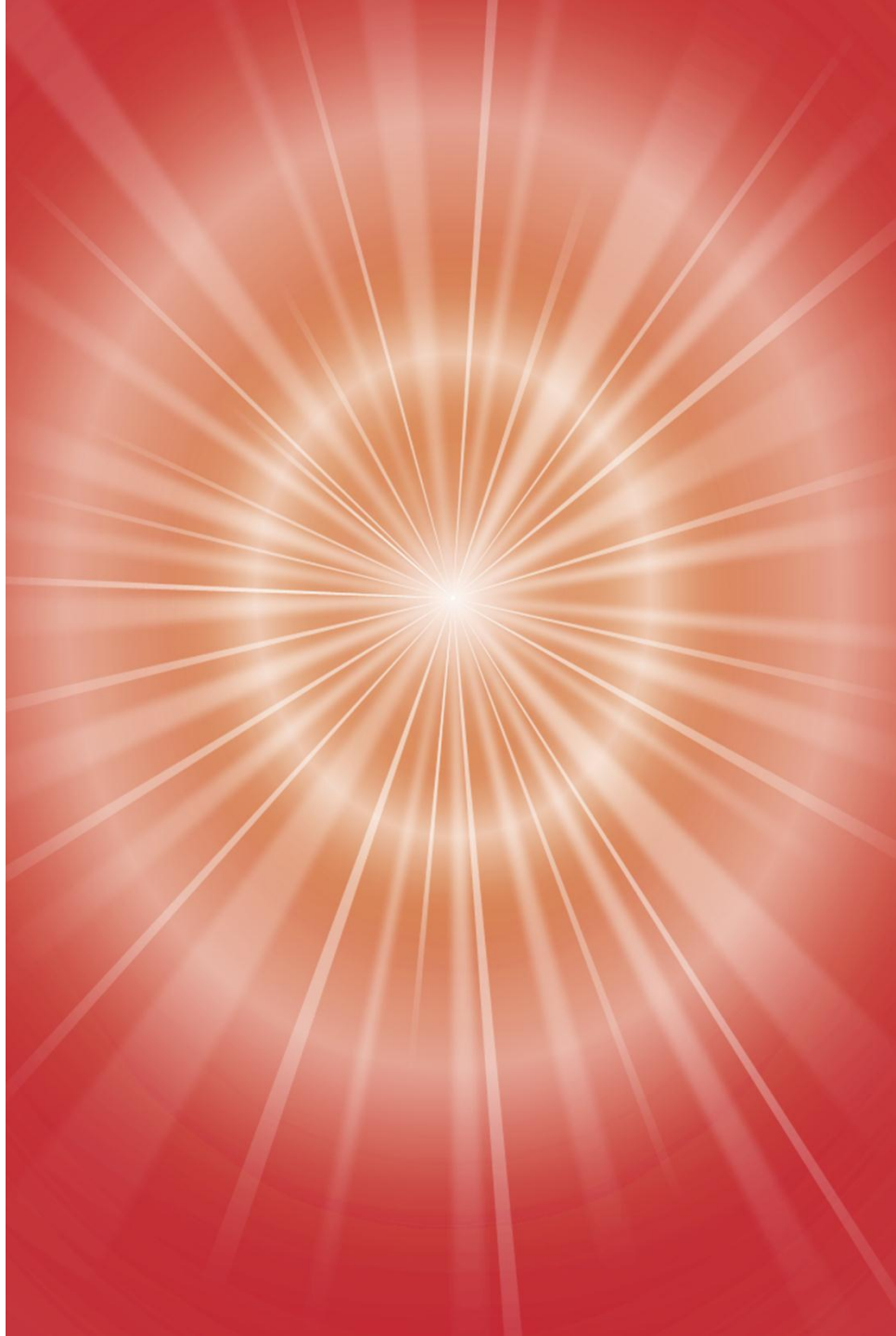

- मातायें बैठ उनको समझायेंगी तो खुश होंगे। बोलो ज्ञान सागर बाप ने ज्ञान का कलष हम माताओं को दिया है जो हम फिर औरों को देते हैं।

- ज्ञान का सागर एक ही परमपिता परमात्मा है। तुम सब भक्ति के सागर हो।भक्ति की अथॉरिटी हो, न कि ज्ञान की। ज्ञान की अथॉरिटी एक मैं ही हूँ। महिमा भी एक की करते हैं। वही ऊंच ते ऊंच है।

- सभी का रचयिता एक ही शिवबाबा है, वही ज्ञान का सागर है। बाप, टीचर, सतगुरू है।

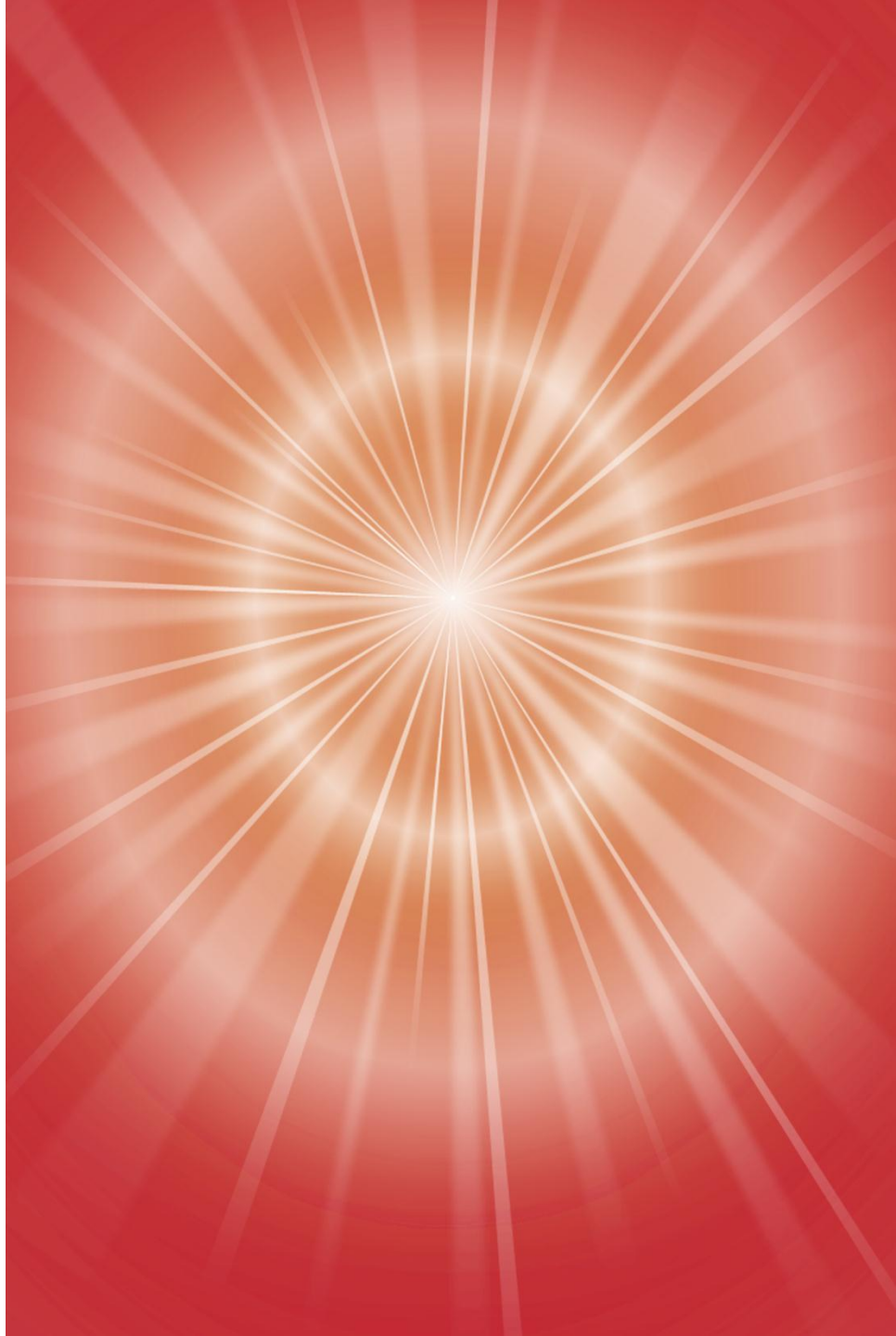

- बाप ही रचना के आदि- मध्य- अन्त का ज्ञान देते हैं। वही हमको समझाते हैं, वह तो जरूर राइट ही समझायेंगे।

- पतित- पावन बाप बिगर कोई को जीवनमुक्ति मिल न सके। सभी गंगा स्नान करने जाते हैं तो पतित ठहरे ना।

- मैं तुम सभी आशिकों का माशुक हूँ। सभी एक माशुक को याद करते हैं। रचनो का क्रियेटर एक ही बाप है।